रसायन रसायनशास्त्र विज्ञान

अतिथि व्याख्यान

22 सितम्बर, 2017

मुख्य अतिथि

प्रो. बजरंगबली लाल श्रीवास्तव

डोडोमा विश्वविद्यालय, तंजानिया

आज दिनांक 22.09.2017 को महाविद्यालय के संवाद कक्ष में **''फोरेन्सिक साइन्स''** विषय पर रसायन विज्ञान विभाग द्वारा अयोजि व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए **डोडोमा विश्वविद्यालय, तंजानिया के रसायन विज्ञान के प्रोफेसर बजरंग बली ल श्रीवास्तव** ने कहा कि वर्तमान समय में फोरेन्सिक साइन्स एक अत्यन्त प्रासंगिक विषय है जो जीवन के प्रत्येक क्षेत्र चाहे सामाजि राजनीतिक, अपराधिक, उपभोक्ता, जैवविज्ञान, चिकित्सा विज्ञान सभी क्षेत्रों में उस वस्तु या घटना की यथार्थता की जॉच करता वर्तमान संदर्भ में किसी भी खेलकूद की प्रतियोगिता में डोपिंग टेस्ट के द्वारा खिलाड़ियों की जॉच करता है। किसी अपराध पर नियन्त्र पाने, उसका समाधान करने तथा मूल अपराधी की पहचान करने का एक उत्तम साधन है।

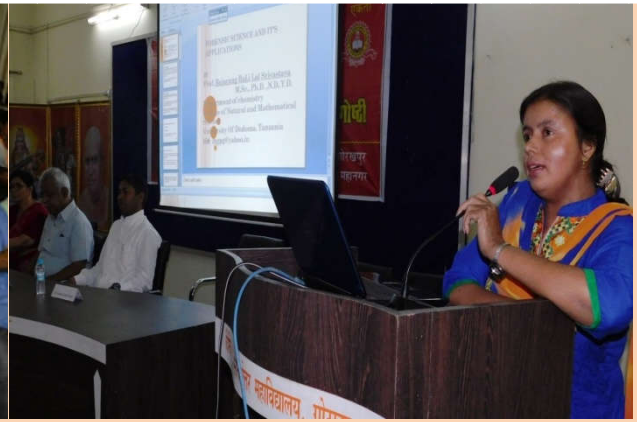

उन्होंने इस तथ्य के ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि की चर्चा करते हुए कहा कि एक बार किसी राजा ने स्वर्णकार को सोने का मुकुट बन के लिए शुद्ध सोना दिया लेकिन मुकुट बन जाने के पश्चात राजा ने उसके शुद्धता की पहचान प्रसिद्ध वैज्ञानिक आर्कमिडिज से कर तो उन्होंने प्लवन के सिद्धान्त पर उसके शुद्धता की पहचान की। उन्होंने यह भी कहा कि फोरेन्सिक साइन्स अकेला ऐसा विज्ञान है स्वयं में विज्ञान की समस्त शाखाओं जैसे भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान के अतिरिक्त चिकित्सा विज्ञान, मुख्य रूप बायो–फिजिकल तकनिक को भी अपने में समाहित किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में इसकी उपयोगिता को देखते हुए देश में बढ़ते अपराधों की संख्या के आधार पर तथा समस्त कानूनी दस्तावेजों की छेडछाड को रोकने का और उसके तथ्यों को जा का यह एक वैज्ञानिक एवं प्रमाणिक साधन है। अपने देश में जनसंख्या के अनुपात में फरेन्सिक साइन्स के विशेषज्ञों की अति आवश्यक है। अतः विद्यार्थी अपने रूचि के अनुसार इस क्षेत्र में आगे आवें जिसे यह कमी दूर हो सके।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने अतिथि को उत्तरीय और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। व्याख्यान की संयोजिका और रसायन विज्ञान विभाग की प्रभारी डॉ. शशि प्रभा सिंह ने विषय प्रवर्तन और संचालन का कार्य किया। आभार ज्ञापन विज्ञान संकाय के प्रभारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने किया। उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. राजशरण शाही, डॉ. अरूण कुमार तिवारी, डॉ. मनीष श्रीवास्तव, डॉ. मीनू भाटिया, डॉ. स्नेहा चौधरी, डॉ. वीनीता सिंह सहित अनेक कर्मचारी एवं महाविद्यालय के छात्र–छात्राएँ उपस्थित थे।